THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD **MA(Hindi) IV SEMESTER : COURSE DESCRIPTION**	
Course title	**प्रयोजनमूलक हिंदी** **FUNCTIONAL HINDI**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER 13: **MAHINC-620**
Semester	IV
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Wednesday / 9:00 am to 11.00 am and Monday 11:00 am to 1:00pm
Name of the teacher/s	Dr. Malobika (MB)
Course description	**Include the following in the course description** a) साहित्यिक हिंदी से इत्तर प्रयोजनमूलक हिंदी अथवा कामकाज की हिंदी के विविध स्वरूपों की जानकारी तथा रोजगारपरक संवैधानिक महत्ता को बताना है। **b) उद्देश्य :** ● हिंदी भाषा शिक्षण का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करना। ● हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक रूपों की दक्षता का विकास करना। ● काम काज एवं कार्यालयी हिंदी की भाषा के परिचय के साथ हिंदी कम्प्यूटिंग , मीडिया लेखन, अनुवाद विज्ञान के सिद्धांतों एवं प्रयोगों से विद्यार्थियों को परिचित करवाना। ● हिंदी भाषा के विविध प्रयोजनों और आयामों से परिचित करवाना। ● राजभाषा हिंदी में कामकाज करने की दक्षता विकसित करना। ● साहित्यिक हिंदी के अतिरिक्त रोजगारपरक हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा, स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र को समझ सकेंगे। ● राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति से परिचित होंगे। ● हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक रूपों की रोजगारपरकता के प्रति सजग होंगे। ● कार्यालयीन संप्रेषण में भाषा और प्रारूपण को समझ पाएंगे। ● आधुनिक जनसंचार माध्यम, ईलेखन-, अनुवाद आदि से परिचित होंगे। ● सरकारीगैर सरकारी रोजगार उपलब्धता से परिचित होगें/। **इकाई-1** ● प्रयोजनमूलक हिंदीअवधारणा :, स्वरूप और प्रयुक्तियां। ● राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति। ● प्रयोजनमूलक भाषा - अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप। ● हिन्दी भाषा की प्रयोजनमूलकता - विश्लेषण। ● प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता। **इकाई-2** ● कार्यालयीन हिंदी की विशेषताएं। ● कार्यालयीन लेखनशासकीय) विविध प्रारूपण :, अर्धशासकीय और व्यावसायिक पत्र लेखन(।

	• पारिभाषिक अनुवादतकनीकी शब्दावली : । • प्रयोजनमूलक हिन्दी के अनुप्रयोग के विभिन्न क्षेत्र - वार्तालाप, प्रशासन, जनसंचार,व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, विधि, प्रौद्योगिकी, विज्ञापन - सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्र । • पारिभाषिक शब्दावली – अर्थ एवं परिभाषा । • हिन्दी में प्रशासनिक और वैज्ञानिक शब्दावली । • हिंदी – राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा । **इकाई-3** • अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार । • कार्यालयीन अनुवादसमस्याएं और संभावनाएं : । **इकाई-4** • आधुनिक जनसंचार माध्यम । • मुद्रित माध्यमों में हिंदी । • रेडियों और टीवी की हिंदी स्क्रिप्ट लेखन), संवाद लेखन, पार्श्व वाचन(। • सामाजिक माध्यमों में हिंदी । • ईलेखन- ।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning • प्रयोजनमूलक हिंदीअवधारणा :, स्वरूप और प्रयुक्तियां । • कार्यालयीन हिंदी की विशेषताएं । • अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार । • आधुनिक जनसंचार माध्यम ।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading **: संदर्भ ग्रंथ** • प्रयोजनमूलक हिन्दी : कृष्णकुमार गोस्वामी • प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे • प्रयोजनमूलक हिन्दी संरचना और अनुप्रयोग : रामप्रकाश एवं दिनेश गुप्ता • प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे Additional reading **: संदर्भ ग्रंथ** • प्रयोजनमूलक हिन्दी : कैलाशचंद्र भाटिया • प्रशासन में राजभाषा हिन्दी : कैलाशचंद्र भाटिया • भाषा और प्रौद्योगिकी : विनोद प्रसाद • हिन्दी की प्रकृति एवं शुद्ध प्रयोग : ब्रजमोहन • अजीविका साधक हिन्दी : पूरनचंद टंडन • व्यावहारिक हिन्दी : भोलानाथ तिवारी / रवींद्रनाथ श्रीवास्तव • प्रयोजनमूलक हिन्दी : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान • प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं अनुवाद : तेजस्वी कट्टिमणि • प्रयोजनमूलक हिन्दी के समस्याएँ : दि◌लीप सिंह

Course title	**भाषा शिक्षण** **LANGUAGE TEACHING**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	PAPER 14 : **MAHINC - 625**
Semester	IV
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday & Tuesday/ 09.00 am to 11.00 am
Name of the teacher/s	Dr. Pankaj Singh Yadav (GF)
Course description	**Include the following in the course description** a) भाषा के बिना किसी भी क्रियाकलाप की कल्पना नहीं कर सकते हैं इसीलिए भाषा शिक्षण का महत्व अपने आप में बढ़ जाता है । भाषा से ही हमारा बौद्धिक , मानसिक, संवेगात्मक व सामाजिक विकास हुआ है। अतः भाषा शिक्षण की समझ , उद्धेश्य और पाठ नियोजन की आवश्यकता को विकसित करना है। **b) उद्देश्य :** ● हिंदी भाषा शिक्षण का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करना। ● भाषायी संरचना और उपयोगी की समझ विकसित करना। ● विद्यार्थी भाषा के सभी संरचनात्मक स्वरूपों को तार्किक रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● आधुनिक शिक्षण से परिचय प्राप्त कर, मूल्याकंन की समझ विकसित होगी। ● भाषा के शिक्षण की क्षमता और विभिन्न शिक्षण मतों की समझ। ● भाषा एवं उसके शिक्षण व्याकरण की समझ प्राप्त करना। ● भाषा की समझ विकसित कर पाठ नियोजन की महत्ता को समझना। **इकाई -1 भाषा विज्ञान और भाषा-शिक्षण:** ● अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान और भाषा शिक्षण का संबंध। ● भाषा विशेष का व्याकरण और शैक्षिण व्याकरण। ● भाषा-अर्जन, भाषा अधिगम और भाषा शिक्षण। **इकाई -2 भाषा-शिक्षण और भाषा)**मातृभाषा(● मातृभाषा - संकल्पना, अर्थ और महत्व। ● मातृभाषा - शिक्षण के उद्देश्य। **अन्य भाषा (द्वितीय भाषा)** ● द्वितीय भाषा : संकल्पना अर्थ और महत्त्व। ● द्वितीय भाषा : शिक्षण के उद्देश्य। ● द्वितीय भाषा : शिक्षण की प्रक्रिया। **अन्य भाषा - शिक्षण की प्रमुख विधियाँ** ● व्याकरण - अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि। ● संरचना-विधि तथा श्रवण-भाषण-विधि। **विदेशी भाषा :** ● विदेशी भाषा : संकल्पना, अर्थ और महत्त्व। **इकाई 3-** : **पाठ-नियोजन सिद्धांत और प्रक्रिया**

	• पाठ-नियोजन का अर्थ और महत्त्व। • पाठ-नियोजन की आवश्यकता। • पाठ-नियोजन की तकनीक। • पाठ के प्रकार। • पाठ-संकेत-निर्माण की प्रारंभिक आवश्यकताएँ। • विविध पाठों के पाठ-नियोजन की प्रक्रिया। **इकाई 4-: भाष - मूल्याकंन तथा परीक्षण** • भाषा-शिक्षण और त्रुटि-विश्लेषण। • मूल्याकंन तथा परीक्षण की संकल्पना। • भाषा-परीक्षण के प्रकार्य। • परीक्षण-निर्माण के आधारभूत सिद्धांत। • वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का निर्माण तथा उपयोग। • अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ। • भाषाई कौशलों का परीक्षण: श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन तथा अन्य रूप। • साहित्यिक विधाओं तथा संस्कृति का परीक्षण। • मूल्यांकन के प्रकार।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान और भाषा शिक्षण का संबंध। • मातृभाषा - संकल्पना, अर्थ और महत्व। • पाठ-नियोजन का अर्थ और महत्त्व। • भाषा-शिक्षण और त्रुटि-विश्लेषण।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • भारत की प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी : रामविलास शर्मा • भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा भाषा-शिक्षण और उसका उद्देश्य : भोलानाथ तिवारी भाषा-शिक्षण : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

Course title	**शोध प्रविधि** **RESEARCH METHODOLOGY**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER15 : MAHINRMC 698
Semester	IV

Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Thursday, Friday/ 09:00 am to 11:00 am
Name of the teacher/s	Prof. T. J. Rekha Rani
Course description	**Include the following in the course description :** a) शोध प्रविधि द्वारा किसी सैद्धांतिक वा व्यवहारिक समस्या के समाधान का प्रयास किया जाता है। शोध प्रविधि द्वारा किसी नए तथ्य सिद्धांत, विधि या वस्तु की खोज की जाती है और नई जानकारी की प्राप्ति होती है। **b) उद्देश्य :** ● शोध कार्य करने के विशेष नियम अथवा विधि की प्रक्रिया का ज्ञान करवाना। ● विद्यार्थियों को शोध प्रविधि द्वारा अनुसंधान के संबंध में नयी जानकारियाँ उपलब्द कराना। ● शोध कार्य के लिए प्रोत्साहित करना। ● विद्यार्थियों में अनुसंधान परक दृष्टि का विकास करना। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● किसी विषय की बेहत्तर समझ और विश्लेषण के लिए डेटा या साक्ष्य के संग्रह में उपयोग की जाने वाली रणनीतियों, प्रक्रियाएँ या तकनीकों से अवगत कराना। ● विद्यार्थी शोध के उद्देश्य और महत्व से परिचित हो सकेंगे। ● शोध की प्रविधि और प्रक्रिया से परिचित हो कर श्रेष्ठ शोधकर्ता बन सकेंगे। **इकाई-1** ● शोधअभिप्राय :, स्वरूप एवं प्रयोजन। ● शोधअनुसंधान :, गवेषण और सर्वेक्षण। ● शोध में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना और परिकल्पना। ● शोध में तत्य और सत्य। **इकाई-2** ● साहित्यिक शोध और वैज्ञानिक शोध। ● प्रमुख शोध पद्धतियाँतुलनात्मक :, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, भाषावैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक। ● शोध और आलोचना। ● शोध की प्रविधि और प्रक्रिया। **इकाई-3** ● शोध के साधन एवं उपकरण। ● शोध में सामग्रीसंकलन की प्रविधि और उपादेयता-। ● शोध के प्रकार। ● शोध प्रबंध की रूपरेखा निमार्णपद्धति-। **इकाई-4** ● संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण की प्रक्रिया। ● हिंदी अनुसंधान के संबद्ध विषयों की भूमिका। ● पाठालोचना के मुख्य सिद्धांत। ● भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान -।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning :

	• शोधअभिप्राय :, स्वरूप एवं प्रयोजन। • साहित्यिक शोध और वैज्ञानिक शोध। • शोध के साधन एवं उपकरण। • संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण की प्रक्रिया।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • अनुसंधान का स्वरूप : सं. सावित्री सिन्हा • अनुसंधान की प्रक्रिया : सं. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक • अनुसंधान प्रविधि, प्रक्रिया विषयक लेख: डॉ. नगेन्द्र • अनुसंधान का विवेचन : डॉ. उदयभानु सिंह **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • अनुसंधान के मूल तत्व : डॉ. उदयभानु सिंह • शोध-प्रक्रिया : डॉ. विनय मोहन शर्मा • भारतीय पाठालोचन की भूमिका : (हिंदी अनुवाद) डॉ. एस.एम. कत्रे • पाठालोचन: सिद्धांत और प्रक्रिया : मिथिलेश कत्रे • पाण्डुलिपि विज्ञान : रामगोपल शर्मा 'दिनेश' • संरचनात्मक शैलीविज्ञान : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव • साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पांडेय • इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च : टी. हेलवे • दि स्ट्रैट्जी ऑफ रिसर्च : इसर जार्ज, पागेट थम्पसन • फैक्ट्स: हाउ टू फाइन्ड देम (ए गाइड टू रिसर्च) : डब्ल्यू ए. बग्गले

Course title	**परियोजना कार्य** **DISSERTATION**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER 16 : MAHINDC-699
Semester	IV
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Tuesday/Wednesday/Thursday and Friday / 11:00 am to 1:00 pm
Name of the teacher/s	Prof. T.J. Rekha Rani/Prof. Shyamrao Rathod/Dr. Promila/Dr. Priyadarshini/ Dr. Malobika
Course description	**Include the following in the course description :** a) परियोजना कार्य, शोध प्रविधि और प्रक्रिया की एक विधि के रूप में छात्र अपनी रूचि, अनुभव और प्रयोग के माध्यम से श्रेष्ठ शोध करने के गुणों को सीखने के सिद्धांतों को विकसित करता है। **b) उद्देश्य :** • परियोजना कार्य छात्रों को कक्षा की सीमाओं से परे चिंतन करने में अभ्यस्त करता है।

	• छात्रों बीच विभिन्न कौशल , व्यवहार, जिज्ञासु और आत्मविश्वास विकसित करने की अनुमति देता है। • अधिगम के लिए माहौल प्रदान करना जो छात्रों को प्रश्न , विश्लेषण और मूल्यांकन करने की अनुमति देता है। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** • परियोजना कार्य से छात्रों को उच्च क्रम चिंतन की ओर लेकर जायेगा। • परियोजना कार्य छात्रों की संज्ञानात्मक क्षमताओ को बढ़ायेगा। • परियोजना कार्य के पीछे मुख्य विचार यह बताता है कि छात्र इसे स्वयं करें और व्यवहारिक समाधान को प्रोत्साहित हो। • ज्ञान वृद्दि के साथ साथ -छात्रों में सृजनशीलता का विकास होगा और विषय एंव व्यवहारिक जिम्मेदारी की समझ विकसित होगी।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning :
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading：** **Additional reading：**